

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

✿ Gaura Purnima (3rd March)

The Vedic scriptures describe the innumerable incarnations that the Lord takes. In these incarnations, the Lord wishes to reclaim the souls who are estranged from Him. Even in the darkest age of Kaliyuga, the Lord appears as Chaitanya Mahaprabhu: who is Krishna in the devotional mood of Srimati Radharani, to help the people of this age to come back to Him. Inaugurating the yuga-dharma of sankirtan, Mahaprabhu distributed Krishna prema indiscriminately, around five hundred years ago. The appearance of the most munificent Chaitanya Mahaprabhu was celebrated in the mood of gratitude and reverence. Their Lordships provided Their blissful darshan in a shobha yatra, organised on March 1. Accompanied by dancing and chanting devotees,



समाचार

✿ गौर पूर्णिमा (3 मार्च)

वैदिक शास्त्रों में भगवान् के असंख्य अवतारों का वर्णन प्राप्त होता है। इन अवतारों में भगवान् उन आत्माओं को पुनः अपने समीप लाना चाहते हैं, जो उनसे विमुख हो चुकी हैं। कलियुग जैसे घोर अन्धकारमय युग में भी भगवान् श्री चैतन्य महाप्रभु के रूप में प्रकट होते हैं, जो कि स्वयं श्रीकृष्ण ही हैं, किन्तु श्रीमती राधारानी के महाभाव को धारण करके इस युग के लोगों को पुनः अपनी ओर लौटने का मार्ग प्रदान करते हैं। महाप्रभु ने युग-धर्म के रूप में संकीर्तन का आरम्भ किया और लगभग पाँच सौ वर्ष पूर्व बिना किसी भेदभाव के सभी जीवात्माओं को कृष्ण-प्रेम का वितरण किया। परम दयालु श्री चैतन्य महाप्रभु के प्राकट्य उत्सव को कृतज्ञता एवं श्रद्धा-भाव के साथ मनाया गया। 1 मार्च को आयोजित एक शोभा-यात्रा में ठाकुरजी ने दिव्य एवं मनोरम दर्शन प्रदान किए। नृत्य एवं संकीर्तन करते हुए भक्तों के साथ गौर-नित्ताई ने उन लोगों पर भी अपनी कृपा बरसाई, जो मन्दिर की सीढ़ियाँ चढ़ने में संकोच करते हैं। भक्तों ने भगवान् गौरांग की अमृतमयी लीला श्रवण के द्वारा अपनी चेतना को इस प्राकट्य उत्सव हेतु तैयार किया। यह आयोजन सभागार में सम्पन्न हुआ, जिसके उपरान्त सायंकाल प्रसाद का वितरण किया गया। सर्वमंगल की





03 March 2026

Sri GAURA PURNIMA

The Divine Appearance Day Of Lord Chaitanya Mahaprabhu
— The Descent of Boundless Mercy

- MUKHA ABHISHEKA - 7:00 PM
- BHOGA OFFERING - 7:45 PM
- MAHA AARTI - 9:30 PM
- Darshan shall remain closed from 6:00 PM to 7:00 PM due to Lunar Eclipse
- Full Day Flower Dress Darshan Of All Deities

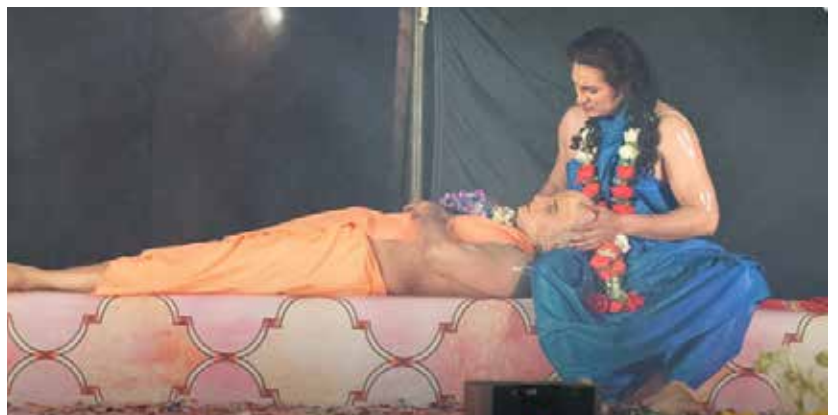
Fasting Till Moonrise || Only Ekadashi Parsadam To Be Taken





कामना से अधिवास समारोह भी सम्पन्न किया गया। इस पावन दिवस को संकीर्तन एवं उच्च स्वर में हरिनाम-स्मरण के मध्य भव्य अभिषेक के साथ मनाया गया। भक्तों का उल्लासपूर्ण नृत्य तथा प्रेमपूर्वक तैयार किया गया महाभोज, इन सबने इस उत्सव की शोभा को और अधिक बढ़ा दिया।

Gaura Nitai, bestowed Their blessings on even those who are reluctant to climb the steps of the temple. Devotees prepared their consciousness for the appearance day, through the nectarean hearing of the pastimes of Gauranga. This was organised in the auditorium, and was followed by dinner prasadam. An Adivasa ceremony was organised to invoke all auspiciousness. The day was celebrated with an elaborate abhishek amidst kirtan and chanting. The dancing devotees, a feast cooked with devotion, all added to the festivities.



✿ Gaura Purnima Celebrated with Grandeur (3rd Mar) (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh celebrated Gaura Purnima 2026 in truly grand style, filling the community with devotion, colour, and joy. The festivities began three days prior, with an inspiring series of elaborate Gaur Kathas held each day. Esteemed speakers—H.G. Rukmini Krishna Prabhu, H.G. Amarendra Hari Prabhu, H.G. Vaikuntha Vraj Prabhu, H.G. Sundar Krishna Prabhu, and H.G. Murali Krishna Prabhu—captivated a packed pandal as they narrated the heart-melting pastimes of Sri Caitanya Mahaprabhu. On the sacred day of Gaura Purnima, the celebrations began with an extraordinary theatrical presentation by the Balaram Players, the temple's theatre troupe. This was followed by the grand abhishek ceremony of Gaura Nitai, who were brought out from the altar for the pleasure of hundreds of assembled devotees. The atmosphere was electrified with devotion, melodious kirtans, and joyous chanting. The divine celebrations culminated in a grand prasadam feast served to all. The festivities continued joyfully until the evening of Holi, making this year's Gaura Purnima a deeply enriching and unforgettable spiritual experience for the entire devotee community.



✿ Gaura Purnima Mahamahotsava (2nd- 4th Mar) (ISKCON, Dwarka)

ISKCON Dwarka celebrated the appearance day of Sri Chaitanya Mahaprabhu (Swarna Krishna) with grand festivities from March 2nd to 4th. The Mahamahotsava featured uplifting kathas by senior devotees, immersing all in the nectarean pastimes and glories of Mahaprabhu. On March 3rd, a grand Maha Abhishek was performed, followed by bhoga offering and arati. The celebrations continued on March 4th with a vibrant "Phoolon Ki Holi," along with joyful highlights like matka phor and lath maar Holi. The atmosphere was further enlivened by soul-stirring kirtans by Gaura Mani Mataji, inspiring everyone to chant and dance in divine ecstasy.

✿ Dance, Drama and Dinner on Holi (ISKCON, Punjabi Bagh)

At ISKCON Punjabi Bagh, the spirit of Gaura Purnima continued into a vibrant Holi celebration filled with devotion and joy. The evening began with a procession of Sri Sri Gaura

✿ गौर पूर्णिमा उत्सव, भव्यता के साथ मनाया गया (3 मार्च) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग में गौर पूर्णिमा 2026 का उत्सव अत्यंत भव्यता और उल्लास के साथ संपन्न हुआ, जिससे समस्त भक्त समुदाय भक्ति, रंग एवं आनन्द में आप्लावित हो उठा। उत्सव का आरंभ तीन दिन पूर्व ही हो गया था। इस अवधि में प्रतिदिन गौर-कथा की एक प्रेरणादायक श्रृंखला आयोजित की गई। आदरणीय वक्ताओं श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु, श्रीमान अमरेन्द्र हरि प्रभु, श्रीमान वैकुण्ठ व्रज प्रभु, श्रीमान सुन्दर कृष्ण प्रभु तथा श्रीमान मुरली कृष्ण प्रभु ने श्री चैतन्य महाप्रभु की हृदयस्पर्शी लीलाओं का सजीव एवं भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं से खचाखच भरे पंडाल को मंत्रमुग्ध कर दिया। गौर पूर्णिमा के पावन अवसर पर उत्सव का आरम्भ मंदिर की नाट्य-मण्डली 'बलराम प्लेयर्स' द्वारा प्रस्तुत एक उत्कृष्ट नाट्य-अभिनय से हुआ। तत्पश्चात् गौर-निताई का भव्य अभिषेक सम्पन्न हुआ, जिन्हें सैकड़ों उपस्थित भक्तों के परम आनंद की अनुभूति हेतु दर्शनार्थ वेदी से बाहर लाया गया। सम्पूर्ण वातावरण भक्ति-भाव, मधुर कीर्तन तथा आनन्दमय जप से आलोकित एवं पवित्र हो उठा। इस दिव्य उत्सव का समापन सभी हेतु आयोजित भव्य प्रसाद-भोज के साथ हुआ। यह उत्सव होली की सन्ध्या तक हर्ष और उमंग के साथ चलता रहा, जिससे इस वर्ष की गौर पूर्णिमा सभी भक्तों हेतु एक गहन अविस्मरणीय आध्यात्मिक अनुभूति बन गई।

✿ गौर पूर्णिमा महामहोत्सव (2-4 मार्च) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन, द्वारका में 2 से 4 मार्च तक श्री चैतन्य महाप्रभु (स्वर्ण कृष्ण) के आविर्भाव दिवस को भव्य उत्सवों के साथ मनाया गया। इस महामहोत्सव में वरिष्ठ भक्तों द्वारा प्रेरणादायक कथाएँ प्रस्तुत की गईं, जिन्होंने सभी को महाप्रभु की अमृतमयी लीलाओं तथा उनकी महिमा में पूर्णतः निमग्न कर दिया। 3 मार्च को भव्य महाभिषेक सम्पन्न हुआ, तत्पश्चात् भोग अर्पण तथा आरती की गई। 4 मार्च को उत्सव का क्रम "फूलों की होली" के उल्लासपूर्ण आयोजन के साथ आगे बढ़ा, जिसमें मटकी-फोड़ और लठमार होली जैसे आनंददायक कार्यक्रम भी सम्मिलित रहे। श्रीमती गौर मणि माताजी के द्वारा प्रस्तुत, आत्मा को स्पंदित कर देने वाले भावपूर्ण कीर्तन ने सम्पूर्ण वातावरण को और भी जीवंत बना दिया, जिसने सभी को दिव्य आनंद में नाम संकीर्तन तथा नृत्य करने हेतु प्रेरित किया।

✿ होली पर नृत्य, नाट्य एवं भोज (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पंजाबी बाग स्थित इस्कॉन मंदिर में गौर पूर्णिमा का भावमयी उत्सव एक उल्लासपूर्ण होली समारोह के रूप में आगे बढ़ा, जो भक्ति और आनंद



Nitai, followed by cultural performances by Sunday School children and engaging Krishna-conscious activities. The highlight was a grand prasadam festival, featuring a wide variety of delicious offerings by devotees. Blending devotion, culture, and celebration, the evening beautifully extended the joy of Gaura Purnima and strengthened the spirit of community.

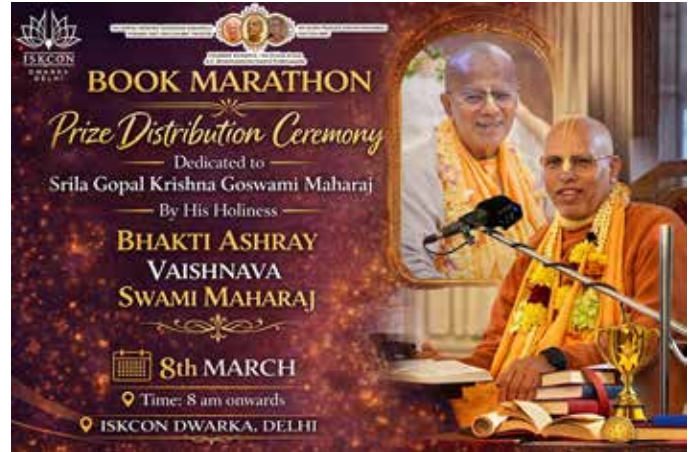
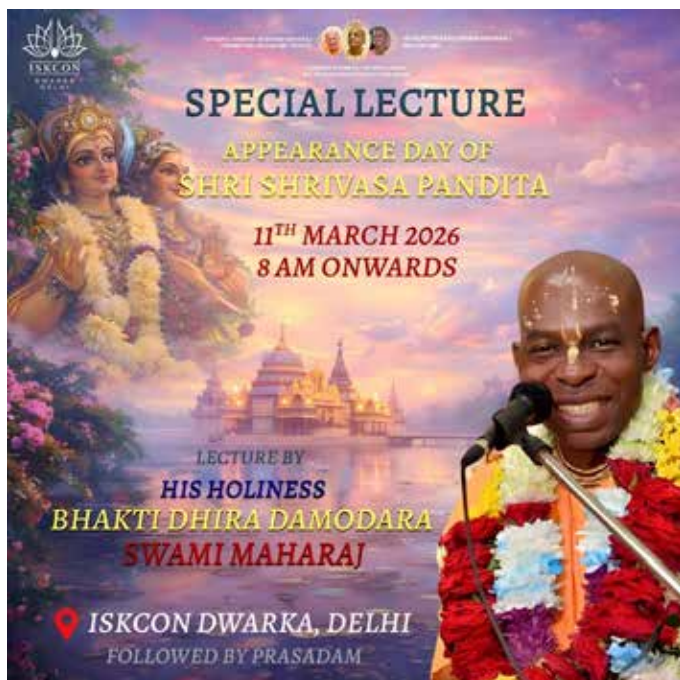
🌸 Book Marathon, Prize Distribution ceremony

(8th Mar)
(ISKCON, Dwarka)

Bhakti Ashraya Vaisnava Swami graciously blessed the devotees at ISKCON Dwarka with his presence, delivering a profound discourse on the Srimad Bhagavatam. Maharaja also dedicated his valuable time to distribute awards to devotees who had shown exceptional dedication in sharing the books of A. C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, offering them heartfelt blessings for their sincere service.

🌸 Appearance Day of Shri Shrivasa Pandit (11th Mar) (ISKCON, Dwarka)

The devotees of ISKCON Dwarka celebrated the appearance day of Lord's dear associate Sri Shrivasa Pandit on March 11th, with the auspicious arrival of H.H. Bhakti



से परिपूर्ण था। संध्या का आरंभ श्री श्री गौर-निताइ की शोभायात्रा से हुआ, जिसके पश्चात रविवारीय विद्यालय के बालकों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा कृष्ण-भावनामृत से ओतप्रोत विविध रोचक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य प्रसादम् उत्सव रहा, जिसमें भक्तों द्वारा अनेकों स्वादिष्ट व्यंजन अर्पित किए गए। भक्ति, संस्कृति एवं उत्सव के सुंदर तथा अनूठे समन्वय ने इस गौर पूर्णिमा की संध्या के आनंद को विस्तारित कर सामुदायिक एकता की भावना को और भी सुदृढ़ बना दिया।

🌸 पुस्तक वितरण मैराथन, पुरस्कार वितरण समारोह (8 मार्च) (इस्कॉन, द्वारका)

परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज ने अपनी मंगलमयी उपस्थिति द्वारा इस्कॉन द्वारका के भक्तों को अनुगृहीत किया तथा श्रीमद् भागवतम् पर एक गहन एवं अर्थपूर्ण प्रवचन दिया। महाराज ने अपने अमूल्य समय का उपयोग करते हुए उन भक्तों को पुरस्कार भी प्रदान किए, जिन्होंने ए. सी. भक्तिवेदांत स्वामी श्रील प्रभुपाद की पुस्तकों के प्रचार-प्रसार में असाधारण निष्ठा का परिचय दिया। उन्होंने उनके इस निष्ठावान एवं समर्पित सेवा-भाव हेतु उन्हें हार्दिक आशीर्वाद प्रदान किया।

🌸 श्री श्रीवास पंडित का प्राकट्य दिवस (11 मार्च) (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन द्वारका के भक्तों ने 11 मार्च को भगवान् के अति प्रिय पार्षद श्री श्रीवास पंडित के प्राकट्य दिवस का श्रद्धापूर्वक उत्सव मनाया। इस पावन अवसर पर परम पूज्य भक्ति धीर दामोदर स्वामी महाराज का मंगलमय आगमन हुआ। महाराज जी ने श्री श्रीवास पंडित के जीवन एवं उनकी अखण्ड भक्ति पर प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक प्रवचन प्रदान किया, जिससे सभी उपस्थित श्रद्धालुजन एवं भक्तगण अत्यंत प्रेरित तथा आध्यात्मिक रूप से उन्नत हुए।

🌸 शान्ति हेतु प्रार्थनाएँ (15 मार्च) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

पापमोचनी एकादशी के पावन अवसर पर भक्त समुदाय ने श्रद्धा एवं करुणा की सशक्त अभिव्यक्ति के माध्यम से मन्दिर सभागार में 24 घण्टों का हरिनाम संकीर्तन आयोजित किया। यह अखण्ड कीर्तन समस्त विश्व के भक्तों तथा सभी जीवों की रक्षा, कल्याण एवं आध्यात्मिक बल प्राप्ति हेतु समर्पित किया गया—विशेषतः मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष से प्रभावित लोगों हेतु। सभी आश्रमों से 100 से अधिक भक्त इस सामूहिक प्रार्थना में सम्मिलित हुए। दिन-रात मन्दिर सभागार भक्ति-भाव से आलोकित रहा, जहाँ भक्त क्रमशः कीर्तन, चिन्तन एवं प्रार्थना में संलग्न रहे, अनेक भक्त कई-कई घण्टों तक पवित्र नामों में गहन तन्मयता से निमग्न रहे। समग्र वातावरण भक्ति, एकता तथा आध्यात्मिक गहनता से परिपूर्ण हो उठा था, क्योंकि हरे कृष्ण महामंत्र का पवित्र संकीर्तन समस्त जनों के लिए शांति,

Dhira Damodara Swami Maharaja. Maharaja delivered an enlightening discourse on the life and devotion of Sri Srivasa Pandit, deeply inspiring and uplifting the congregation.

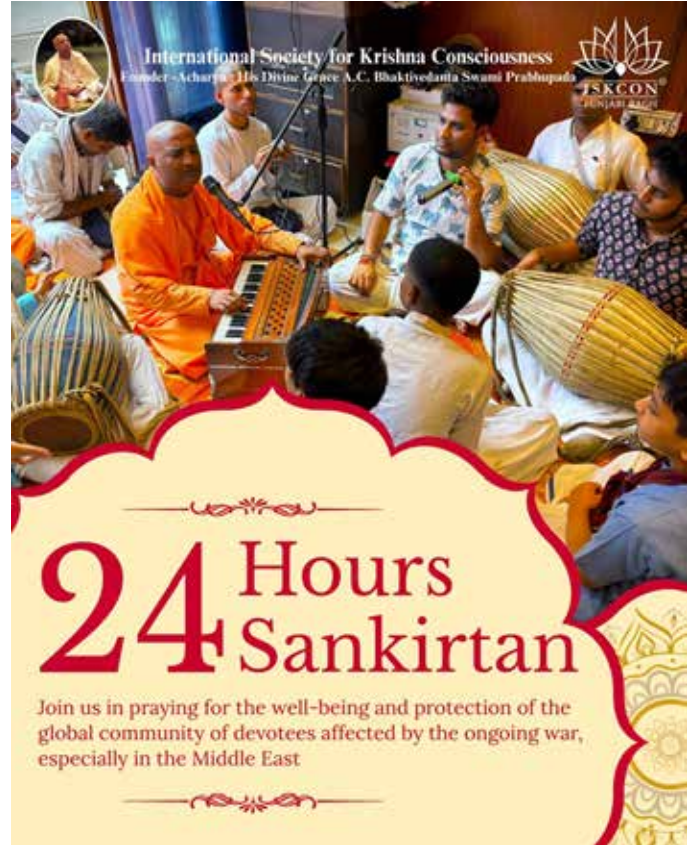
🌸 Prayers for Peace (15th Mar) (ISKCON, Punjabi Bagh)

On the auspicious occasion of Papamochani Ekadashi, the devotee community came together in a powerful expression of faith and compassion by organizing a 24-hour Harinaam Kirtan in the temple hall. This continuous kirtan was lovingly offered for the protection, well-being, and spiritual strength of devotees and all living entities worldwide—especially those affected by the ongoing conflict in the Middle East. Over 100 devotees from all ashrams participated in this heartfelt collective prayer. Throughout the day and night, the temple hall remained vibrant, with devotees taking turns to chant, reflect, and pray—many staying for hours, deeply immersed in the holy names. The atmosphere was surcharged with devotion, unity, and spiritual intensity, as the sacred chanting of the Hare Krishna maha-mantra created waves of peace, hope, and divine shelter for all.

🌸 Book Distribution Awards Ceremony (15th Mar) (ISKCON, East of Kailash)

A special ceremony was organized to honor devotees who enthusiastically participated in the Srila Prabhupada Marathon. The Book Distribution Awards were presented as a heartfelt recognition of their dedication to spreading the teachings of A. C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada. Devotees from various ashrams were felicitated for their sincere efforts, determination, and devotional spirit in distributing transcendental literature.

The ceremony not only celebrated their achievements but also inspired the entire community to actively participate in this important mission of sharing spiritual knowledge and compassion with the world.



आशा तथा दिव्य आश्रय की तरंगें उत्पन्न कर रहा था।

🌸 पुस्तक वितरण पुरस्कार समारोह (15 मार्च) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील ए सी भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद मैराथन में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने वाले भक्तों के सम्मान में एक विशेष समारोह आयोजित किया गया। उनके द्वारा श्रील प्रभुपाद के उपदेशों के प्रचार-प्रसार में प्रदर्शित किये गए समर्पण के प्रति हार्दिक कृतज्ञता के रूप में पुस्तक वितरण पुरस्कार प्रदान किए गए। विभिन्न आश्रमों से आए भक्तों को दिव्य साहित्य के वितरण में उनके निष्ठापूर्ण प्रयास, दृढ़ संकल्प तथा भक्ति-भावना हेतु सम्मानित किया गया। यह समारोह, न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों का उत्सव था, अपितु समस्त समुदाय को भी इस आध्यात्मिक ज्ञान एवं करुणा के विश्वव्यापी महत्त्वपूर्ण प्रसार कार्य में सक्रिय रूप से सहभागी बनने हेतु प्रेरित करने वाला सिद्ध हुआ।



🌸 विशेष प्रवचन (19 मार्च) (इस्कॉन, द्वारका)

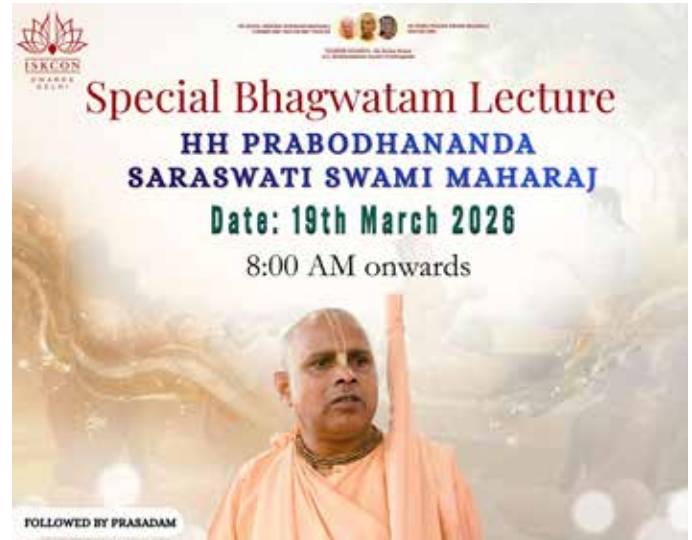
इस्कॉन द्वारका के भक्तों को परम सौभाग्य प्राप्त हुआ जब परम पूज्य प्रबोधानन्द सरस्वती स्वामी महाराज का पावन आगमन हुआ। महाराज ने

Special Lecture (19th Mar) (ISKCON, Dwarka)

The devotees of ISKCON Dwarka received special mercy with the arrival of H.H. Prabhodananda Saraswati Swami Maharaja. Maharaja graciously addressed the congregation with an inspiring lecture from Srimad Bhagavatam that deeply enlightened the devotees and significantly enhanced their spiritual interests and devotion.

Rama Navami (27th March) (ISKCON, East of Kailash)

The auspicious appearance day of Lord Rama, Rama Navami, was celebrated with great grandeur at ISKCON Delhi. The festivities began with a spiritually enriching week-long Rama Katha held in the temple auditorium. Devotees deeply relished the nectarean narrations of Lord Rama's divine pastimes by H.G. Vrajendranandana Prabhu. A vibrant Shobha Yatra was organized on 22nd March, offering a rare opportunity for people who may not visit the temple to receive the transcendental darshan of the Lordships. As the deities graced the streets, accompanied by melodious kirtan and joyful dancing devotees, waves of divine mercy were distributed to all. The festival commenced auspiciously with the hoisting of the festival flag, followed by the sacred Sri Bhagavad Avahana Yajna, invoking the presence of the Lordships. At the magnificent Sri Sri Radha Parthasarathi Temple, Rama Navami holds even greater significance as it marks the anniversary of the temple's inauguration. A grand abhishek was performed on all three altars, creating an atmosphere filled with devotion and reverence. The temple resounded with ecstatic kirtan and the blissful chanting of the Hare Krishna Mahamantra, uplifting every heart present. The celebrations concluded with an elaborate feast prepared with love and devotion, offered for the pleasure of the Lord, and later distributed as prasadam to all.



अत्यंत करुणापूर्वक सभा को संबोधित करते हुए श्रीमद्भागवत महापुराण से प्रेरणादायक प्रवचन प्रस्तुत किया, जिसने भक्तों को गहन आध्यात्मिक ज्ञान से आलोकित किया तथा उनके आध्यात्मिक अभिरुचि एवं भक्ति-भाव में उल्लेखनीय वृद्धि की।

राम नवमी (27 मार्च) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भगवान् श्रीराम का पवित्र प्राकट्य, राम नवमी महोत्सव इस्कॉन दिल्ली में अत्यन्त भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस उत्सव का शुभारंभ मंदिर सभागार में आयोजित, सप्ताह भर चलने वाली आध्यात्मिक रूप से समृद्ध राम कथा से हुआ। श्रद्धालुओं ने श्रीमान ब्रजेन्द्रनन्दन प्रभु द्वारा वर्णित भगवान् श्रीराम की दिव्य लीलाओं का अमृतमय श्रवण कर अत्यन्त आनन्द का अनुभव किया। 22 मार्च को एक भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया, जिससे उन लोगों को भी भगवान् के दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जो सामान्यतः मन्दिर नहीं आ पाते। जब श्रीविग्रह मधुर कीर्तन और हर्षोल्लास से नृत्य करते भक्तों के साथ मार्ग में पधारे, तो सभी पर दिव्य कृपा की लहरें बरस उठीं। उत्सव का शुभ आरंभ मंगलमय ध्वजारोहण के साथ हुआ, तत्पश्चात भगवान् की उपस्थिति का आह्वान करते हुए पवित्र "श्री भगवद आवाहन यज्ञ" सम्पन्न किया गया। श्री श्री राधा पार्थसारथी मन्दिर में राम नवमी का विशेष महत्त्व है, क्योंकि यही दिवस मन्दिर की स्थापना-वार्षिकी का भी प्रतीक है। इस पावन अवसर पर तीनों वेदियों में भव्य अभिषेक किया गया, जिससे सम्पूर्ण वातावरण भक्ति और श्रद्धा से परिपूर्ण हो उठा। मन्दिर परिसर हर्षपूर्ण कीर्तन और "हरे कृष्ण" महामन्त्र के आनन्दमय





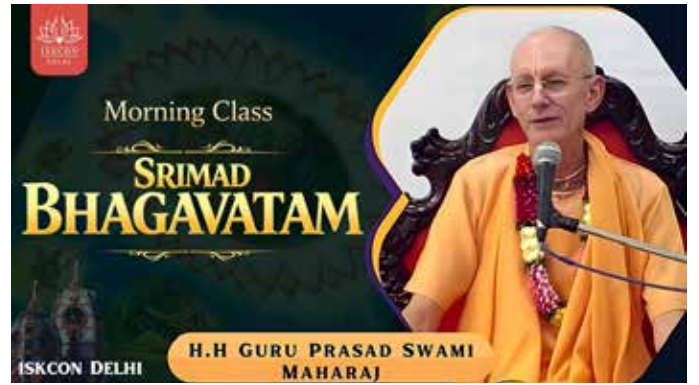
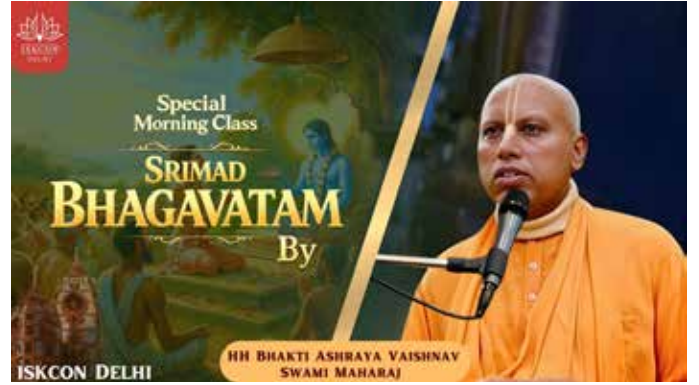
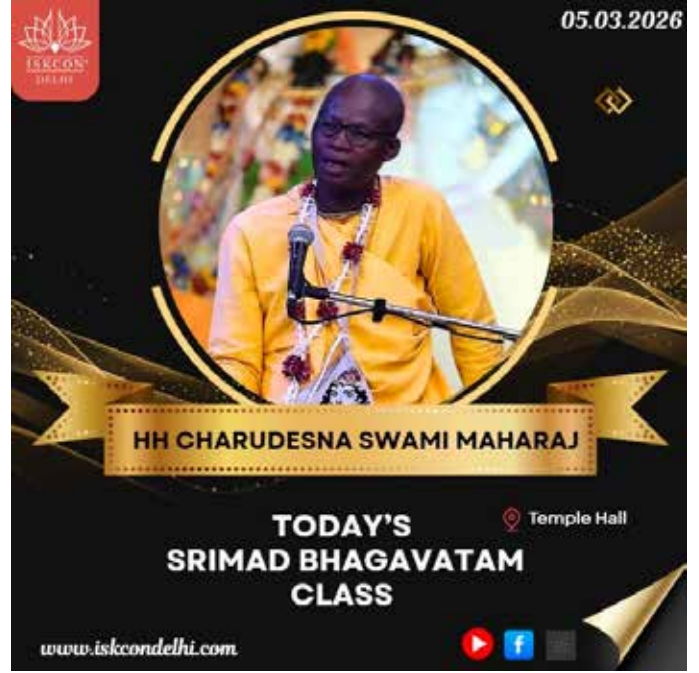
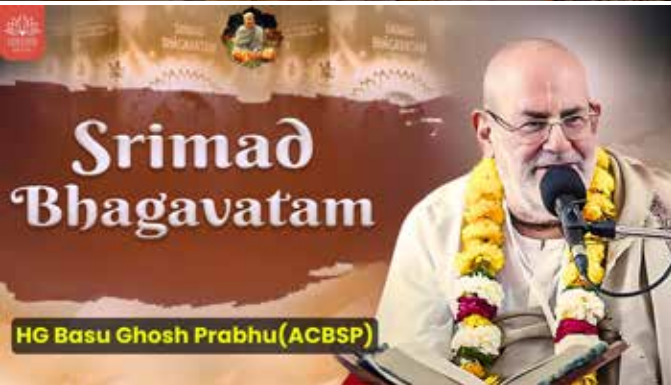
✿ ISKCON Delhi Graced by Senior Devotees

The auspicious arrival of sadhus marks the fortune of those who take their darshans, hear Krishna katha from them and get an opportunity to serve them in some way. The Delhi Temple was graced by the presence of H.H. Prahaladananda Swami Maharaja, H.H. Guru

मधुर जाप से गूँज उठा, जिसने उपस्थित प्रत्येक हृदय को आलोकित कर दिया। अन्ततः उत्सव का समापन प्रेम और भक्ति से निर्मित किये गए भव्य भोज प्रसाद के साथ हुआ, जिसे भगवान् को प्रसन्न करने के लिए अर्पित किया गया एवं ततपश्चात् सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद रूप में वितरित किया गया।

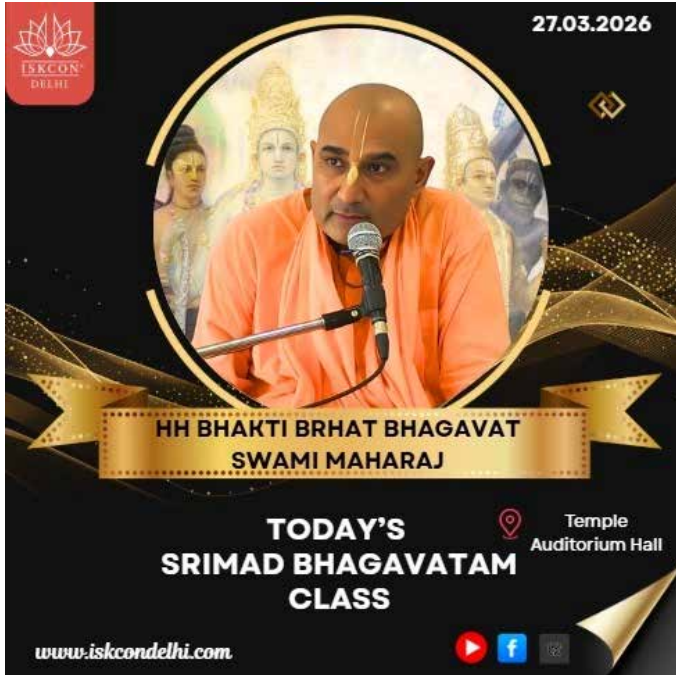
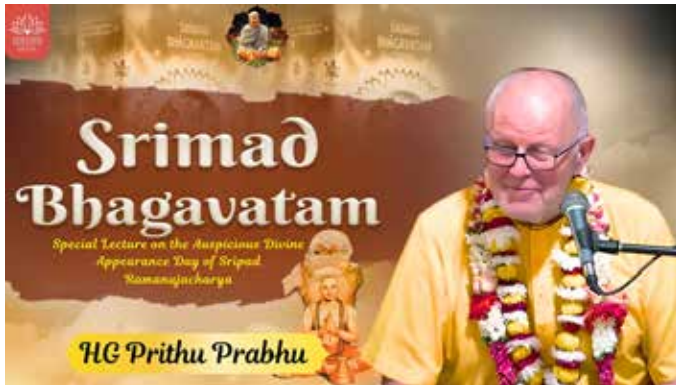
✿ वरिष्ठ भक्तों से सुशोभित इस्कॉन दिल्ली

साधु-संतों का मंगलमय आगमन उन सभी के लिए महान सौभाग्य का सूचक होता है, जो उनके दर्शन करते हैं, उनसे श्रीकृष्ण-कथा का श्रवण करते हैं तथा किसी न किसी रूप में उनकी सेवा का अवसर प्राप्त करते हैं। इस्कॉन दिल्ली मंदिर, परम पूज्य प्रह्लादानन्द स्वामी महाराज, परम पूज्य गुरु प्रसाद स्वामी महाराज, परम पूज्य भक्ति चारुदेशण स्वामी महाराज, परम पूज्य भक्ति धीर दामोदर स्वामी महाराज, परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज, परम पूज्य भक्ति अनुग्रह जनार्दन स्वामी महाराज, परम पूज्य भक्ति बृहद् भागवत स्वामी महाराज, श्रीमान् पृथु प्रभु,



Prasada Swami Maharaja, H.H. Bhakti Carudesna Swami Maharaja, H.H. Bhakti Dhira Dmaodara Swami Maharaja, H.H. Bhakti Ashraya Vaishnava Swami Maharaja, H.H. Bhakti Anugraha Janardana Swami Maharaja, H.H. Bhakti Brhad Bhagavata Swami Maharaja, H.G. Prithu Prabhu, H.G. Surabhi Mataji, H.G. Kripanidhi Prabhu, H.G. Devakinandana Prabhu,

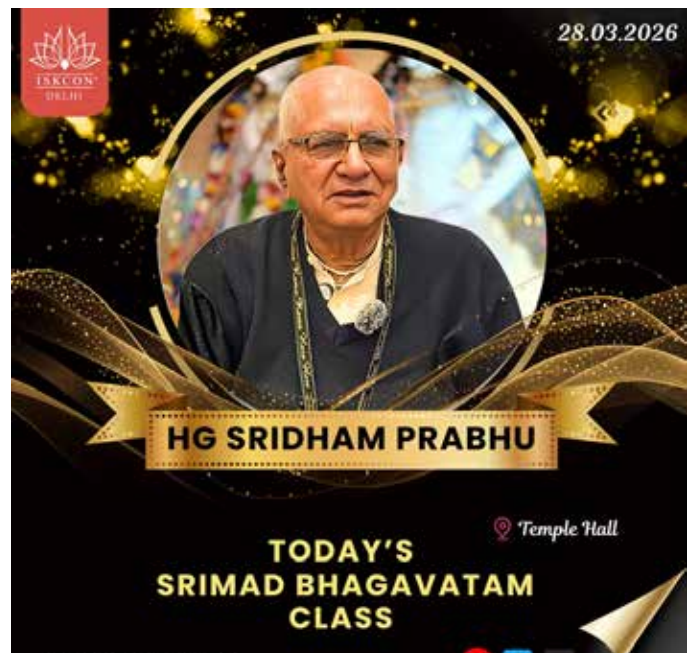
श्रीमती सुरभि माताजी, श्रीमान कृपानिधि प्रभु, श्रीमान देवकीनन्दन प्रभु, श्रीमान बासु घोष प्रभु तथा श्रीमान श्रीधाम प्रभु की पावन उपस्थिति से अलंकृत हुआ। इन महान विभूतियों ने अपने उपदेशों द्वारा भक्तों को ज्ञान



H.G. Basu Ghosh Prabhu and H.G. Sridhama Prabhu. They enlightened the devotees with their discourses and their association recharged the spiritual batteries of the devotees.

Temple Expansion Progresses Steadily (ISKCON, Punjabi Bagh)

The ISKCON Punjabi Bagh Temple Expansion Project continued to progress smoothly, achieving key milestones this season. With the completion of all basement structural and concreting work, construction advanced to the next phase. The Upper Ground and First Floors were successfully cast in March, with electrical, plumbing, air conditioning, and



से आलोकित किया तथा उनके सत्संग ने भक्तों की आध्यात्मिक शक्ति को नवीन उत्साह से परिपूर्ण कर दिया।

मंदिर विस्तार कार्य में निरंतर प्रगति (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग मंदिर विस्तार परियोजना सुचारू रूप से आगे बढ़ रही है और इस सत्र में इसने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। भूमिगत तल की समस्त संरचनात्मक तथा कंक्रीट संबंधी निर्माण-क्रियाएँ पूर्ण होने के पश्चात् निर्माण कार्य अगले चरण में प्रविष्ट हो चुका है। मार्च माह में भूतल तथा प्रथम तल का ढाँचा सफलतापूर्वक निर्मित किया गया। विद्युत्, जल-निकास, वातानुकूलन तथा अग्नि-सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का कार्य अप्रैल में आरंभ होना निर्धारित है। मंदिर

fire safety installations scheduled to begin in April. Work on the temple walls is also set to commence using modern AAC blocks for enhanced durability and efficiency. Supported by advanced Building Information Modeling, the project has maintained precise coordination and steady progress. By Krishna's grace, it remains on track for completion, with the offering to Sri Sri Krishna Balaram planned for Radhastami 2027.

🌸 Aabhar Utsav - Celebrating 2025 book distribution marathon (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh joyfully celebrated its outstanding success in the 2025 Book Distribution Marathon with a grand Aabhar Utsav. Continuing its long standing tradition of excellence, the temple once again secured the #1 rank globally in the medium temple category, marking yet another victorious year in service to Srila Prabhupada's mission. Over 1,100 devotees wholeheartedly participated in the marathon, collectively achieving an impressive 5.2 lakh book points. The celebration honoured the remarkable contributions of individual distributors, Bhakti Vriksha groups, Youth Forums, Sankirtan teams, and every other devotee who played a role in this monumental effort. The ceremony was beautifully graced by the presence of HH Bhakti Kevala Gopendra Swami Maharaj from Vrindavan and HG Rukmini Krishna Das, who offered blessings, appreciation, and inspiring words to the community. Aabhar Utsav stood as a heartfelt tribute to the devotion, teamwork, and unstoppable spirit that define ISKCON Punjabi Bagh's sankirtan family.



🌸 Boat Festival (28th Mar) (ISKCON, East of Kailash)

The Boat Festival (Jal Vihar) of Radha Parthasarathi was beautifully organized at Astha Kunj Park for the pleasure of the Lordships. Devotees created a serene water setting adorned with flowers and devotional decorations, where the utsava deities were lovingly placed on a decorated boat. As the boat gently moved across the water, the atmosphere became surcharged with melodious kirtans and heartfelt prayers. The festival offered a glimpse into the divine jalvihar pastimes of Radha Krishna, immersing everyone in deep devotion and joy. Each moment reflected loving service, as devotees came together to please the Lordships with sincerity and affection. It was truly a blissful celebration, leaving everyone spiritually refreshed and grateful for the opportunity to serve.

की दीवारों के निर्माण का कार्य भी शीघ्र ही आधुनिक ए.ए.सी. ब्लॉकों के उपयोग से प्रारंभ किया जाएगा, जिससे दीर्घायुता एवं कार्यक्षमता में वृद्धि होगी उन्नत भवन सूचना प्रतिकारण (उन्नत बिल्डिंग इंफॉर्मेशन मॉडलिंग (बीआईएम) के सहयोग से इस परियोजना में सुसंगत समन्वय तथा निरंतर प्रगति सुनिश्चित बनी हुई है। भगवान् श्रीकृष्ण की कृपा से यह परियोजना नियत समयानुसार पूर्णता की ओर अग्रसर है, तथा राधाष्टमी 2027 के परम पावन अवसर पर श्री श्री कृष्ण-बलराम को समर्पित करने की योजना निर्धारित है।

🌸 आभार उत्सव - पुस्तक वितरण मैराथन 2025 का उत्सव (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग ने 2025 पुस्तक वितरण अभियान में अपनी उत्कृष्ट सफलता का जश्न एक भव्य आभार उत्सव के साथ मनाया। उत्कृष्टता की अपनी दीर्घकालिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, मंदिर ने एक बार पुनः मध्यम श्रेणी के इस्कॉन मंदिरों में वैश्विक स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जो श्रील प्रभुपाद के मिशन की सेवा में एक और विजयी वर्ष का प्रतीक है। 1100 से अधिक भक्तों ने पूर्ण समर्पण भाव से सहभागिता की एवं सामूहिक रूप से 5.2 लाख पुस्तक अंक का प्रभावशाली लक्ष्य प्राप्त किया। इस समारोह में व्यक्तिगत वितरणों, भक्ति वृक्ष समूहों, युवा मंचों, संकीर्तन दलों तथा इस महान प्रयास में योगदान देने वाले प्रत्येक भक्त के अद्वितीय योगदान को सम्मानित किया गया। समारोह में वृंदावन से पधारे परम पूज्य भक्ति केवल गोपेंद्र स्वामी महाराज एवं श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु जी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष शोभा प्रदान की तथा उन्होंने समस्त भक्त समुदाय को अपना आशीर्वचन, सराहना एवं प्रेरणादायक उद्बोधन प्रदान किया। यह आभार उत्सव, इस्कॉन पंजाबी बाग के संकीर्तन परिवार की भक्ति, सामूहिक सहयोग एवं अटूट उत्साह का एक भावपूर्ण अभिनंदन बनकर उभरा।

🌸 नौका विहार उत्सव (28 मार्च) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्री श्री राधा पार्थसारथी जी का नौका विहार उत्सव (जल-विहार) आस्था कुंज उद्यान में भगवान् के आनंद हेतु अत्यंत सुंदर रूप से आयोजित किया गया। भक्तों ने पुष्पों तथा भक्तिमय-सज्जा से अलंकृत एक शांत जल-स्थल का निर्माण किया, जिसमें उत्सव-विग्रहों को स्नेहपूर्वक सुसज्जित नौका पर स्थापित किया गया। जैसे ही नौका मृदु गति से





चलने लगी, तो समस्त वातावरण मधुर कीर्तन और भावपूर्ण प्रार्थनाओं से भर गया। इस उत्सव ने राधा-कृष्ण की दिव्य नौका-विहार लीलाओं की मनोहर झलक प्रस्तुत की, जिससे उपस्थित सभी श्रद्धालुगण गहन भक्ति और आनंद में निमग्न हो गए। प्रत्येक क्षण प्रेममयी सेवा का प्रतीक था, क्योंकि भक्तगण सच्चे मन से भगवान् को प्रसन्न करने के लिए एकजुट हुए थे। यह वास्तव में अत्यंत आनंददायक उत्सव था, जिसने सभी को आध्यात्मिक रूप से नवजीवन प्रदान किया तथा सेवा के इस अवसर के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाया।

✿ कंगना रनौत ने ISKCON दिल्ली का दौरा किया (ISKCON, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रीमती कंगना रनौत (संसद सदस्य) ने मंदिर का दौरा किया और पूरी विनम्रता के साथ भगवद गीता की पूरी कक्षा में भाग लिया। उन्होंने आरती में भी हिस्सा लिया और देवी-देवताओं के दर्शन किए। भक्तों से मिलकर उन्होंने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की और मंदिर के आध्यात्मिक वातावरण की सराहना की।

✿ Kangana Ranaut Visits ISKCON Delhi (ISKCON, East of Kailash)

Ms. Kangana Ranaut (Minister of Parliament) visited the temple and graciously attended the entire Bhagavad Gita class. She also participated in the Aarati and took darshan of the deities. She expressed great happiness upon meeting the devotees and appreciated the spiritual atmosphere of the temple.



🌸 77th Vyasa Puja of H.H. Jayapataka Swami Maharaja Celebrated (29th Mar) (ISKCON, East of Kailash)

The 77th Vyasa Puja of His Holiness Jayapataka Swami Maharaja was celebrated with great devotion and enthusiasm by devotees. The auspicious occasion was marked by heartfelt offerings, glorifications, and expressions of gratitude for Maharaja's lifelong service in spreading the teachings of the Bhagavad Gita and Srimad Bhagavatam. Devotees gathered to offer flowers, sang kirtans, and shared inspiring realizations about Maharaja's compassion, dedication, and tireless preaching efforts. Elaborate Ekadasi prasadam was lovingly prepared and offered to Maharaja, reflecting the devotion and gratitude of the devotees on this sacred occasion. The celebration also included remembrance of Maharaja's immense contributions to ISKCON, highlighting his global preaching, book distribution efforts, and his role in guiding countless devotees on the path of Krishna consciousness. The program concluded with a joyous arati and prasadam distribution, leaving everyone spiritually uplifted and inspired to deepen their commitment to devotional service.

🌸 परम पूज्य जयपताका स्वामी महाराज की 77वीं व्यास पूजा मनाई गई (29 मार्च) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

भक्तों ने परम पूज्य जयपताका स्वामी महाराज की 77वीं व्यास पूजा बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई। इस शुभ अवसर पर भक्तों ने महाराज द्वारा भगवद गीता और श्रीमद् भागवतम् की शिक्षाओं को फैलाने में किए गए आजीवन सेवा कार्यों के प्रति हार्दिक भेंट, गुणगान और कृतज्ञता व्यक्त की। भक्तगण फूल अर्पित करने के लिए एकत्रित हुए, कीर्तन गाए, और महाराज की करुणा, समर्पण तथा अथक प्रचार प्रयासों के बारे में अपने प्रेरणादायक अनुभव साझा किए। एकादशी का विशेष प्रसाद बड़े ही प्रेमपूर्वक तैयार किया गया और महाराज को अर्पित किया गया, जो इस पवित्र अवसर पर भक्तों की भक्ति और कृतज्ञता को दर्शाता था। इस उत्सव में इस्कॉन के प्रति महाराज के immense योगदानों को भी याद किया गया, जिसमें उनके वैश्विक प्रचार कार्य, पुस्तक वितरण के प्रयास, और अनगिनत भक्तों को कृष्ण चेतना के मार्ग पर मार्गदर्शन देने में उनकी भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। कार्यक्रम का समापन एक आनंदमय आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ, जिससे सभी भक्त आध्यात्मिक रूप से उन्नत और भक्ति सेवा के प्रति अपनी निष्ठा को और गहरा करने के लिए प्रेरित महसूस करने लगे।



SITA DEVI'S INNER HARMONY

In the face of extreme hardship, Lord Ramachandra's queen reveals her extraordinary character, founded on her pure devotion to the Lord.

The epic Ramayana, written



by the sage Valmiki, tells the story of Lord Ramachandra, Krishna's incarnation as the perfect king. Lord Rama's wife, queen, and eternal consort is Sita Devi. She is also the ideal devotee.

Sita Devi's example shows that one who acts according to God's desire is peaceful and has harmonious relationships, regardless of circumstances. Sita Devi exhibits her inner harmony throughout her ordeal, whether she's hearing of her husband's fourteen-year banishment to the forest, being abducted and imprisoned by Ravana, or being reunited with Lord Rama.

Sita Follows Her Conscience

In the Ramayana, Sita Devi first clearly expresses her own will by disobeying Lord Rama, who wants her to stay behind when He leaves for His exile to the forest. She decides that to be with Rama in all circumstances is her sacred duty. The

unequivocal voice of her conscience will not allow her to do otherwise. By insisting on going with her husband to the forest, Sita defines for herself what a devoted wife is.

To convince Rama to allow her to

"all these hardships will seem like blessings to me. If You protect me, I can tolerate anything."

Seeing her determination, Rama finally agrees with her decision. On His request, Sita gives all her valuable possessions to the brahmanas and Vaishnavas, and she and Rama go to the forest with Lakshmana.

Despite the uncomfortable circumstances, Sita is peaceful. She has followed her pure interior directive, choosing wilderness over civilization, simplicity over opulence, austerity over luxury, and the satisfaction of following her conscience over the distress of being separated from Sri Rama.

Sita's Harmony with the Earth and Living Beings

"I shall remain' happy by gazing at the hills, lakes, and rivers," Sita says when convincing Rama to allow her to accompany Him.

go with Him, Sita says, "Every day I will serve You and practice self-discipline. I too will live on fruits and nuts and will not interfere with Your austerities. Taking shelter in Your arms, O Rama, I will become fearless."

Rama replies, "O frail lady, in the forest wild beasts will lurk on all sides, waiting to attack, and we will have to sleep on the bare ground with scorpions, worms, mosquitoes, and gnats as constant nuisances. Abandon this idea of coming with Me. If you are truly devoted to Me, you will follow My instructions."

"O Rama," Sita says,



© Back to Godhead | Krishna.com



The natural beauty of forest life delights Sita, and she feels so cheerful and at home there that she seems to prefer it to the complexities of the city. Her silks and gold are gone. She has given up her palace bed—"as soft and white as milk foam"—to sleep on fallen leaves. And she no longer dines on a variety of delicious foods but on forest fruits and nuts and greens. Still, she has no regrets.

Forest life reveals that Sita has a special connection with the earth, the rivers, and the animals. When the transcendental couple is first crossing the Ganges, at midstream Sita joins her hands in prayer:

"O Mother Ganga, please protect Sri Rama on all sides. May He pass these fourteen years without harm."

When Ravana abducts Sita, she is spirited and clever, although desperate. She calls out to her allies in the natural world—the trees, the river, the birds, and the animals—begging them to help her and to inform Rama of her abduction. Unable to help, the trees shed tears in the form of sap, and the lions, deer, and elephants are heartbroken. Sita wakes the old sleeping bird Jatayu and drops her jewels to the monkeys

who will later assist Lord Rama.

In Lanka, Ravana thinks that by speaking of his love for Sita, she will soon be won over.

Ever fearless, however, Sita tells him, "My heart is devoted to Rama without deviation, and to Rama alone. Why should I, a swan sporting with her mate within a lotus-filled lake, prefer a duck meandering on the shore? You can do whatever you like to me, but rest assured that because of your vile and sinful lust, you will soon meet with death at Rama's hands."

Raging with fury, Ravana gives her twelve months to surrender to him and sends her to a grove of ashoka trees, where cruel, hideous women torture her.

Over the twelve months of Sita's captivity, Ravana grows increasingly desperate and irrational in his frustrated lust. But even though an ordinary person in Sita's unkempt condition would be weak and miserable, she grows stronger and more thoughtful. The flexibility with which she adjusted to changing situations in the forest has given way to an inflexible resistance to the terror of Ravana and his guards.

When Ravana again entreats Sita, she places a straw between herself and Ravana as a symbol of her unwillingness to contact him directly.

"You should withdraw your mind from me," she says, "and remain content with the numerous consorts you already possess. You will never be able to have me. I shall never do anything contrary to righteousness, and so there is no hope of your ever gaining my favor."

She then turns her back to Ravana.

"Give up your futile hope," she tells him. "You no more deserve me than a sinful man deserves perfection.... Because you are acting perversely, directing yourself away from the path of virtue, you will soon become the cause of the destruction of your entire kingdom. I will never be tempted by your offers of insignificant opulence and royal comforts because I am undivided in my devotion to Rama.... I am as inseparable from Rama as sunlight is from the sun."

Although apparently helpless and grief-stricken, Sita wins the sympathy of some of the other women Ravana has abducted. In Ravana's absence, they comfort Sita.

Also, several of the guards, most notably Trijata, respect and befriend Sita. They instruct the other guards to beg Sita's forgiveness. Sarama, the wife of Vibhishana, Ravana's virtuous brother, also becomes sympathetic to Sita, won over by her virtue.

When Hanuman arrives and offers to carry Sita on his back across the ocean, Sita, ever conscious of proper behavior, says, "I have vowed never to touch the body of any man other than Rama. I am already mortified due to being grasped by the sinful Ravana. I could not voluntarily touch another man. Nor could I allow anyone other than Rama to rescue me, thereby diminishing Rama's fame. I therefore prefer to wait for my lord, confident that He will soon arrive."

Hanuman assents to Sita's request, respecting the incomparable chastity for which she is famous.

The Source of Sita's Harmony

Always thinking of Rama within her heart, Sita constantly seeks to reunite with Him. Her commitment to Him and her constant meditation on Him protect her and give her the strength to resist Ravana's many

advances and allurements. Although Ravana delivers more offers and more threats, Sita's fixed faith and conviction transform her: She grows in strength and calls upon powers she has never used before.

"I would burn you to ashes myself by the power of my asceticism and chastity," Sita tells Ravana, "but I do not have my lord's order. Nor do I wish to waste my ascetic merits on such a wretch as you."

Sita's resistance to Ravana's obsession drains him of the powers he won through asceticism. "Thus the soldiers of Lord Ramachandra killed Ravana's soldiers, who had lost all good fortune because Ravana had been condemned by the anger of mother Sita." (Srimad-Bhagavatam 9.10.20)

After Ravana's death, his wife Mandodari says to his stricken body, "O greatly fortunate one, you came under the influence of lusty desires, and therefore you could not understand the influence of mother Sita. Now, because of her curse, you have been reduced to this state, having been killed by Lord Ramachandra." (Srimad-Bhagavatam 9.10.27)

Three Qualities of Sri Sita Devi Reveal Her Inner Harmony

Sita's forgiveness: After Ravana's death, Hanuman comes to Sita in the ashoka grove and, before taking her to Rama, offers to kill the female guards who have tormented her for so many months.

In accord with Her noble character, Sita is ever kind to the downtrodden.

"These guards," she says, "were simply carrying out Ravana's order. No blame should be attached to them. Any suffering I felt was surely the result of my own past misdeeds, for such is the universal law. Indeed, there is an ancient maxim that is always the code of the virtuous: 'A righteous person does not consider the offenses of others. At all costs that person always observes the vow of not returning evil for evil, for the virtuous consider good conduct their ornament.'"

Sita Devi also says that compassion should always be shown toward sinners, for no one was ever found to be free of sin.

Sita's openheartedness: As Sita, Rama, and their soldiers are returning to Ayodhya, they reach



Kishkindha, the home of the monkey warriors who assisted Rama in defeating Ravana.

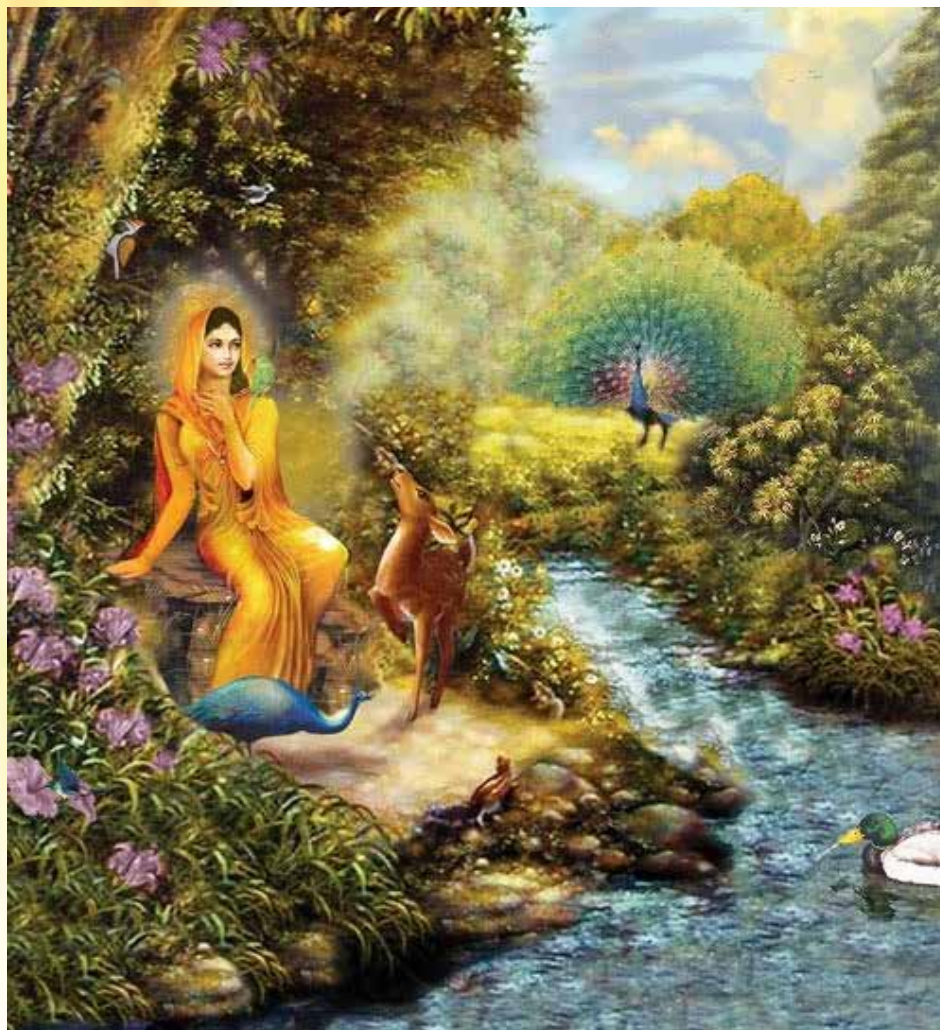
Sita says, "I would be pleased if I could return to Ayodhya in the company of all the wives of the monkey chiefs."

Rama stops the chariot, the monkeys quickly get their wives, and when everyone has returned and is seated, they continue on their way.

Sita's gratitude: After the coronation of Sita-Rama, Sita wants to give Hanuman something as a token of her appreciation for all that he did for her. She unclasps the necklace that Rama has given her and then looks at Him. Understanding her intention, Rama asks her to give the necklace to Hanuman, and she happily places it around his neck.

Evidence of Sita's Unconditional Love

In the pastimes of Sita Devi we



see the beauty of her character in contrast to the ugliness of the palace politics that drives her and Rama into exile; we witness how her love for Rama supersedes His duty to her; we see her graceful flexibility in accepting the austerities of the wilderness; we feel her fear of Ravana and admire her intelligence in opposing him; we find her steadfast and patient as Ravana's captive; we see her virtue winning even her vicious guards to her side; we see her ferocious anger toward Ravana soothed by her constant meditation on Rama; we discover that her austerities under the ashoka tree make her not hardhearted but compassionate. All these experiences are harmonized by her unadulterated, unconditional love for Sri Ramachandra.

"I know of her undivided love for Me," said Lord Rama. "Indeed, guarded as she is by her own moral power, Ravana could not have violated Sita."

Maharaja Dasharatha, Sita's father-in-law, once told her, "Your remarkable behavior will earn you a place in history as the most glorious woman the world has ever seen."



Upcoming events:



आगामी कार्यक्रम

1) Beginning of Tulasi Jala dana (15th April)

Tulasi Maharani is a pure devotee, bestowing benediction of eternal service to Radha Krishna. In the month of jetha, when the heat is scorching, devotees offer jala to the Vaishnavi. Seeking her favour is supremely beneficial. This festival of jala dana will commence from 15th April.



2) Gandana Yatra and Akshaya Tritya (20th April)

Madhavendra Puri, an exalted Vaishnava in the Gaudiya Madhava sampradaya, attained the favour of Gopinatha. On a mission to collect candana for his beloved Gopala, he undertook the arduous journey from Vrindavana to Puri. Having reached Remuna, he developed the desire to taste the amratkeli being cooked for Gopinatha of Remuna. Ashamed of having this desire when the Lord was accepting the bhoga, he left the temple in haste. Gopinatha fulfilled his desire, fuelled by his attitude to serve, by stealing a pot of kheer for His beloved servant. This candana yatra is the reminder of perfection of devotional service, which is recognised by the Lord Himself.

To commemorate this act of love and devotion, the candana yatra is celebrated every year. Devotees make candana paste which anoints the transcendental body of the Lord: cooling and pleasing Him. The candana yatra will begin from 20th April, this year.

This day also marks the day of unending benefit: akshaya tritya. Devotees will chant, hear and serve more, trying to multiply their spiritual benefits.

3) Appearance Day of Srimati Sitadevi (25th April)

Srimati Sitarani, the eternal consort of Lord Rama, appears along with Him to exemplify dharma. Her appearance will be celebrated with abhishek and kirtan. Devotees will offer prayers to Srimati Sitadevi, to be blessed with forbearance and bhakti, which she embodies.

4) Narasimha Caturdasi (30th April)

The Lord appeared in many forms, to annihilate the demons and protect His devotees. One of His most enchanting forms, is the incarnation of Lord Narasimhadeva. As half man, half lion, He upholds the words of Lord Brahma, fiercely sheltering His dear devotee, Prahlada Maharaja. His appearance will be celebrated with abhishek amidst kirtan and chanting. Devotees will observe a fast till dusk, praying for shelter, from the demons within and without.

1) तुलसी जलदान का आरम्भ (15 अप्रैल)

तुलसी महारानी एक शुद्ध भक्त हैं, जो राधा कृष्ण की नित्य सेवा का आशीर्वाद प्रदान करती हैं। ज्येष्ठ मास में, जब उष्णता अत्यन्त प्रखर होती है, तब भक्तजन इन वैष्णवी को श्रद्धापूर्वक जल अर्पित करते हैं। उनकी कृपा प्राप्ति अत्यन्त कल्याणकारी मानी जाती है। यह जलदान उत्सव 15 अप्रैल से प्रारंभ होगा।

2) चंदन यात्रा और अक्षय तृतीया (20 अप्रैल)

गौड़ीय मध्व सम्प्रदाय के एक महान वैष्णव, माधवेन्द्र पुरी को गोपीनाथ जी की विशेष कृपा प्राप्त हुई थी। अपने प्रिय गोपाल के लिए चन्दन एकत्र करने के उद्देश्य से उन्होंने वृन्दावन से पुरी तक की अत्यन्त कठिन पैदल यात्रा की। रेमुणा पहुँचकर उनके मन में वहाँ गोपीनाथ जी के लिए बन रही अमृतकेलि खीर का स्वाद लेने की इच्छा उत्पन्न हुई। किन्तु भगवान् द्वारा भोग ग्रहण करते समय अपनी ऐसी इच्छा उत्पन्न होने पर वे लज्जित हो गए और शीघ्र ही मन्दिर से बाहर चले गए। तब गोपीनाथ जी ने अपने प्रिय सेवक की सेवा-भावना से प्रसन्न होकर उसकी इच्छा पूर्ण की, उन्होंने स्वयं एक पात्र खीर चुराकर अपने भक्त के लिए रख दिया। यह चन्दन यात्रा भक्तिमयी सेवा की उस सिद्ध अवस्था का प्रमाण है, जिसे स्वयं भगवान् भी स्वीकार करते हैं। प्रेम और भक्ति की इस घटना की स्मृति में प्रतिवर्ष चंदन यात्रा मनाई जाती है। इस अवसर पर भक्तजन चन्दन का लेप बनाकर भगवान् के दिव्य विग्रह पर अर्पित करते हैं, जिससे उन्हें शीतलता और प्रसन्नता प्राप्त होती है। इस वर्ष चन्दन यात्रा 20 अप्रैल से आरम्भ होगी। यह दिन अक्षय तृतीया के रूप में भी मनाया जाता है, जो अनन्त पुण्य प्रदान करने वाला है। इस दिन भक्तजन अधिकाधिक नाम-स्मरण, श्रवण एवं सेवा में प्रवृत्त होकर अपने आध्यात्मिक कल्याण को वृद्धि देने का प्रयास करते हैं।

3) श्रीमती सीतादेवी का प्रकटोत्सव (25 अप्रैल)

श्रीमती सीता महारानी, भगवान् श्री राम की शाश्वत संगिनी, धर्म के आदर्शों को प्रत्यक्ष रूप में स्थापित करने हेतु उनके साथ प्रकट होती हैं। उनके प्राकट्य दिवस का उत्सव अभिषेक तथा कीर्तन के साथ मनाया जाएगा। भक्तगण श्रीमती सीतादेवी के चरणों में प्रार्थना अर्पित करेंगे, जिससे उन्हें धैर्य तथा भक्ति का आशीर्वाद प्राप्त हो, ये गुण स्वयं श्रीमती सीतादेवी के जीवन में पूर्ण रूप से प्रकट होते हैं।

4) नृसिंह चतुर्दशी (30 अप्रैल)

भगवान् ने अनेक रूपों में प्रकट होकर राक्षसों का संहार किया एवं अपने भक्तों की रक्षा की। उन्हीं के अत्यन्त मनोहर रूपों में से एक है भगवान्



नृसिंहदेव का अवतार। अर्ध-मानव और अर्ध-सिंह के रूप में वे भगवान् ब्रह्मा के वचनों की मर्यादा का पालन करते हुए अपने प्रिय भक्त प्रह्लाद महाराज की अत्यन्त उग्र रूप से रक्षा करते हैं। उनका प्राकट्य उत्सव कीर्तन और हरिनाम-संकीर्तन के मध्य अभिषेक के साथ मनाया जाएगा। भक्तजन सायंकाल तक उपवास रखेंगे और भीतर तथा बाहर स्थित दुष्ट प्रवृत्तियों से सुरक्षा हेतु प्रार्थना करेंगे।

PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017
Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase - I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer
Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E - 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Sriniwas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Sriniwas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080,
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001, Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave,
New Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi - 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket - 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi - 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi -22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector - 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi - 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC Room,
Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MANDIR-New Colony, Gurugram,
Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam

Katwaria Sarai - F 117, Basement, Near well No 1, Katwaria Sarai
New Delhi 110016. Contact: +91 75033 48819, Youth program - Every Friday 7.30
PM. Family program - Every Saturday 7.30 PM

Ladosarai - F-6, Hare Krishna wali Gali, Near Panchayat Bhawan, Ladosarai,
New Delhi-110030. Contact No.: 7011003974, 9888815430, 9717600814. Youth
Program: Tuesday 07:30 PM; Congregation Program: Sunday- 5:00 PM

Mehrauli - Opposite Agarwal Dharmashala, Mehta chowk,
Ward no 8, Mehrauli , New Delhi 110030.
Contact: 9711862441, 9911399960, 9810565805.
Congregation Program: Every Saturday, 4-6 PM;
Youth Program: Every Sunday, 4-5PM

Chattarpur - Nitin Niwas H. No. 133, Chattarpur, Near Tyagi Chaupal,
Near Axis Bank ATM, South Delhi, 110074,
Contact: 9910290149
Program: Every Sunday 5.30PM To 7.30PM

Aya Nagar 1- Shiv Hansa Complex, Phase VI, G Block, Bandh Road,
Opp Max Gain Shopping Centre, Aya Nagar.
Contact: 9953891845,8860681843, Program: Every Sunday, 6 To 8 PM

Aya Nagar 2- Opp MCD School, Near Easy Day, Main Road, Aya Nagar, Delhi.
Contact: 9899729858, 8368656274
Program: Every Sunday 4 To 6 PM

Malviya Nagar - 90/77, Basement, Behind Malviya Hospital, Malviya Nagar.
Contact No. 8097263066, Program: Every Saturday 6PM Onwards

Khirki Extension - JG-35, Near Krishna Temple, Inside Left Street, Khirki
Extension. Contact No. +91 98911 27996
Program: Every Sunday 5 PM Onwards

Kishan Garh - H.No.602, Ward No.3, Bhuiyan Chowk ,Gaushala Road
Kishangarh,Vasant Kunj. Contact No- 8447358738
Every Sunday, 3:00 PM onwards

Sangam Vihar - D-170, Gali no. 4, Hare Krishna Centre Barsana Dham,
Nearby Sona Sweets, Sangam Vihar, New Delhi-110080.
Contact number:- 8851286364, 8447042470, Every Saturday; 6:00 PM-8:00PM;
Every Friday and Sunday; 5:30-7:00AM onwards

East Of Kailash - 194 FF Amritpuri Garhi, East of Kailash, Near MCD School,
New Delhi-110065. Contact: 9811347826, 9990503548.
Youth Program:- Saturday 7:00 PM

Ber Sarai - House number -2, Near Government Dispensary, BerSarai, New Delhi,
Contact - 8882347935,7065835531
Youth Program : Monday 7:00PM, Congregation Program : Saturday 4:00PM

Vasant Kunj - B100 (Basement), B Block, Mother Dairy, Vasant Kunj Enclave,
New Delhi-110070. Contact No.: 8860246574, 8879005088.
Every Sunday- 04:00 PM

Saket - C-109, Ground Floor, Near Mother Dairy, Paryavaran Complex, Saket,
New Delhi-110030, Contact: 8287713680, 8130505488, 9667427986
Youth Program: Saturday 07:00 PM; Congregation Program: Friday 07:00 PM

Tigri Extension - C-10 Hare Krishna Centre, Maha Shiv Shakti Mandir,
Tigri Extension, New Delhi-110080. Contact: 8851286364, 9810433117
Every Sunday, 11:00am - 1:00PM

Ghitorni - House no. 270, Balmiki choupal, Near Kali Mata Mandir, Ghitorni,
New Delhi-1100030, Contact No. -9975756916,7065835531
Youth Program- Thursday-7:00PM

Sultanpur - 2nd floor,Waliya house,near Gurudwara, Sultanpur, Delhi 110030.
Contact-9667478077. Youth program-Sunday 7:00 PM;
Congregation Program-Friday 5:00 PM

Prahlad Pur - A-132, DDA Flats, Prahladpur New Delhi 110044
Contact: 999464382, 9650543321, Every Sunday 04:00 PM

Paharganj - 1st Floor, Radha Krishna Mandir, Near Jain Mandir, Mantola,
Paharganj, Contact No. 9818188182; 9810224106
Program: Every Saturday 7:00 To 8:00 PM

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666
- For ISKCON East Delhi, Please contact @ 98115 10090



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-43618748, 43711307, 7042836300

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New
Delhi-110075 Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/ Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231, Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par
Bahadurgarh, Haryana - 124507,
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969, Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham,
Gurgaon-Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika
Business park), Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R,
35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0,
Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple Chhippiwara - 2439, Chhippiwara,
Chah Rahat, Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 08810633305

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

ISKCON East Delhi - Hare Krishna Center
12/115 Geeta Colony, Delhi-110031
Phone: +91 98115 10090, Email: iskcon.del@gmail.com